



Mr.

16 Oct 2025

Model: Numerology-Report

Order No: 119797601

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 119797601

Date: 16/10/2025

नाम	Mr.
जन्म तिथि	16/10/2025
मूलांक	7
भाग्यांक	8
नामांक	6
मूलांक स्वामी	नेप/केतु
भाग्यांक स्वामी	शनि
नामांक स्वामी	शुक्र
मित्र अंक	2, 6, 8
शत्रु अंक	1, 9
सम अंक	3, 4, 5,
मुख्य वर्ष	2041,2050,2059,2068,2077,2086,2095,2104
शुभ आयु	16,25,34,43,52,61,70,79
शुभ वार	रवि, सोम
शुभ मास	फर, जून, जुला
शुभ तारीख	7, 16, 25
शुभ रत्न	लहसुनिया
शुभ उपरत्न	सुनहरा हकीक
अनुकूल देव	नृसिंह भगवान
शुभ धातु	लौह
शुभ रंग	काला
मंत्र	ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः
शुभ यंत्र	शनि यंत्र

12	7	14
13	11	9
8	15	10

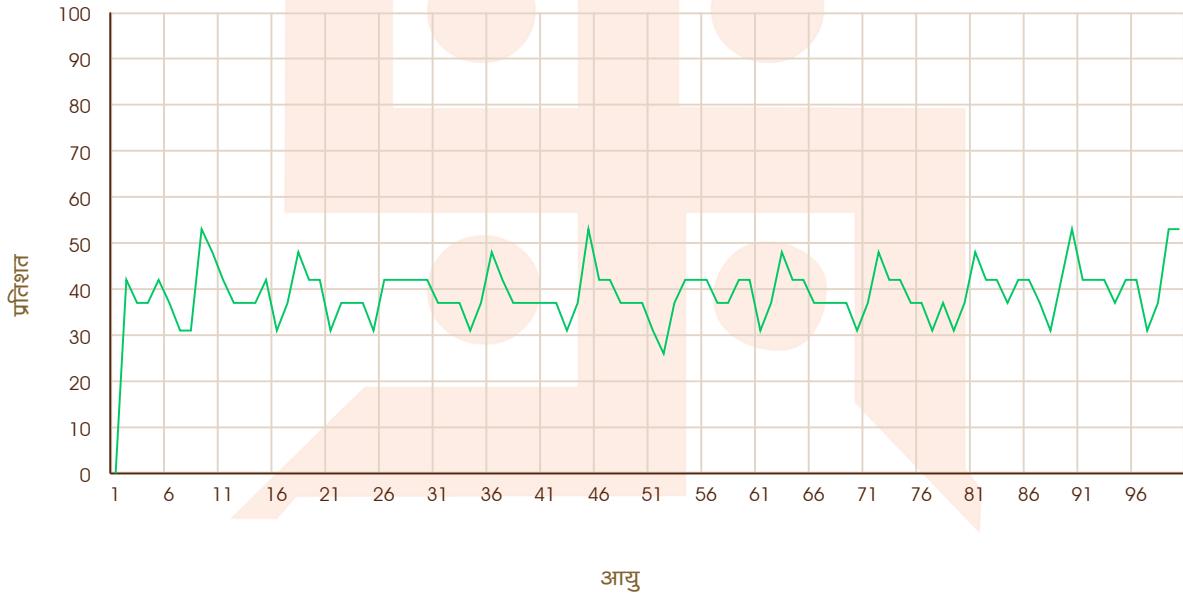


FUTUREPOINT
Astro Solutions



अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंकों से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 2041, 2050, 2059, 2068, 2077, 2086, 2095, 2104

शुभ आयु 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70, 79

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 16 है। एक एवं छः के योग से आपका मूलांक 7 होता है। मूलांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु एवं पाश्चात्य मत से नेपच्यून होता है। अंक एक का सूर्य तथा 6 का शक्र है। इन तीनों ग्रह सूर्य, शुक्र, केतु या नेपच्यून का प्रभाव आपके जीवन में निरन्तर चलता रहेगा। मूलांक 7 के प्रभाव से आपकी अभिरुचि ललित कलाओं में रहेगी। आपको गीत-संगीत, लेखन, काव्य, चलचित्र, दूरदर्शन इत्यादि में लगाव होगा। कल्पनाशक्ति आपकी काफी अच्छी रहेगी। धन संग्रह में आपको कठिनाईयां आयेंगी इससे अर्थ के क्षेत्र में आप कमी महसूस करेंगे। घूमने-फिरने के शौकीन होने के कारण आप लम्बी यात्रायें करेंगे जिनसे आपके ज्ञान की वृद्धि होगी। अतीन्द्रिय ज्ञान आपके अन्दर काफी अच्छा रहेगा, जिससे दूसरों के विचार या बात को आप आसानी से समझ जायेंगे।

अंक एक एवं छः के स्वामी सूर्य, शुक्र ग्रह के प्रभाव से आप महत्वाकांक्षी, दृढ़प्रतिज्ञ, अडिग एवं सौन्दर्यबोध को समझने वाले होंगे। आप अपने जीवन में काफी संघर्ष करेंगे, लेकिन अन्त में संघर्षों पर विजय प्राप्त करेंगे एवं सफलता अर्जित करेंगे। आपको स्वच्छता अधिक पसन्द आयेगी एवं सभी वस्तुएँ करीने से सजी हों तथा घर ऑफिस में सुन्दर बैठक हो ऐसी आपकी मनोवृत्ति रहेगी।

दूरस्थ देशों से आपको लाभ प्राप्त होगा। आप रोजगार-व्यापार में ऐसी लाईन का चुनाव करेंगे, जिसमें दूरस्थ देशों से निरन्तर सम्पर्क बना रहे तथा उनसे लाभ मिले। नेपच्यून, शुक्र एवं सूर्य के संयुक्त प्रभाववश आपको प्रारम्भ में संघर्ष करना पड़ेगा। पश्चात् मध्य अवस्था से अन्तिम अवस्था तक उन्नति की सीढ़ियां चढ़ते चले जायेंगे।

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुए हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगे। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाएँ रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगे। आपकी सभी सफलताएं विधनों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगे। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे।

आपका मूलांक 7 है तथा भाग्यांक 8 है। मूलांक 7 का स्वामी नेपच्यून है तथा भाग्यांक 8 का स्वामी शनि है। मूलांक 7 एवं भाग्यांक 8 के बीच सम संबंध है। इसके प्रभाववश आपको मूलांक तथा भाग्यांक के समुचित फल प्राप्त होंगे। आपकी कल्पना शक्ति एवं व्यावहारिक बुद्धि काफी अच्छी रहेगी, जो आपके रोजगार-व्यापार में आपको अच्छे आर्थिक लाभ

प्रदान करेगी। आप प्रारंभ से ही मेहनतशील व्यक्ति रहेंगे एवं धीरे-धीरे आपकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। परिवर्तन आपकी विशेषताओं में रहेगा। आप जो भी रोजगार-व्यापार पसंद करेंगे, उसमें समयोचित परिवर्तन अवश्य होंगे। रोजगार के सिलसिले में आपकी काफी यात्राएं जीवन पर्यंत चलती रहेंगी। कुछ यात्राओं से दूरस्थ देशों के व्यक्तियों से आपके संबंध बनेंगे, जो आजीवन पर्यंत स्थापित रहेंगे एवं लेन-देन का आधार बनेंगे। जीवन के प्रारंभिक काल की अपेक्षा मध्य काल से आपकी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति अच्छी होती चली जाएगी। समाज में आप काफी लोकप्रियता प्राप्त करेंगे तथा आपको समयोचित सम्मान प्राप्त होते रहेंगे।

आपका भाग्योदय 26 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ होगा तथा 35 वर्ष की अवस्था से आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी एवं 44 वर्ष की अवस्था पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 7 की 2 एवं 6 से मित्रता है तथा भाग्यांक 8 की एवं 4 से मित्रता है। अतः आपके जीवन में 1, 2, 4, 6, 7, 8 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनमें आपके जीवन की कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से सम संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन, या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए जनवरी, फरवरी, अप्रैल, जून, जुलाई, अगस्त के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप अपना कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक से मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

मूलांक 7 एवं भाग्यांक 8 के प्रभाववश ईस्वी सन, जिनका योग 1, 2, 4, 6, 7, 8 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले होंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 1, 2, 4, 6, 7, 8 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

1 . 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73

2 . 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65, 74

4 . 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67

- 6 . 15, 24, 33, 42, 51 60, 69
7 . 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70
8 . 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनशील रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार बनेंगी।



नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Mr .

4+2

नाम का योग : 6 नामांक : 6

आपके नाम का कुल योग छह होने से आपका नामांक छह होता है। इसका स्वामी शुक्र होने के कारण इस ग्रह के गुण-अवगुण आपके नाम को प्रभावित करेंगे। शुक्र प्रभाववश आपके अन्दर आकर्षण शक्ति अधिक रहेगी। इस गुण के कारण आप लोकप्रियता प्राप्त करेंगे। सुन्दर नर, नारियों से संबंध बनाना, वार्तालाप करना आपके मन को अच्छा लगेगा। आप कला के क्षेत्र में रोजगार व्यापार भी बना सकते हैं। आप साहित्य ललितकला चित्रकला इत्यादि में रुचि रखेंगे। सुन्दर वस्तुओं के प्रेमी एवं सुन्दर मकान में रहना आपको अच्छा लगेगा। घर या आफिस में सभी वस्तुएँ ढंग से सजावट में रखना आपके मन को प्रसन्नता देगा। आपके स्वभाव में थोड़ा हठीपन रहेगा एवं इर्ष्या की मात्रा आपके अन्दर रहेगी। जो कि आपको अहित देगी। दूसरों को अपना बना लेने की कला में आप पारंगत होंगे। अपने कार्यों के द्वारा अपना नाम, यश फैलाने में सफल रहेंगे।

आपका नामांक 6 आपके मूलांक 7 से सम संबंध रखता है। लेकिन आपके भाग्यांक 8 से शत्रु संबंध है। ऐसी स्थिति में आपको अपने नामांक का पूर्ण फल प्राप्त करने में असुविधा होगी। आपका मूलांक से सम संबंध नाम को अधिक सफल नहीं होने देगा, जबकि भाग्यांक के साथ शत्रु संबंध असफलता के द्योतक रहेंगे। अतः आपको अपने नाम में परिवर्तन करना आवश्यक हो जाता है। आप अपने नाम में इस प्रकार से परिवर्तन करें जिससे आपके नाम के अक्षरों में अधिक परिवर्तन न हो तथा वह आपके मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ उत्तम तालमेल स्थापित करले।

आपके नाम के अंक का आपके मूलांक 7 तथा भाग्यांक 8 दोनों से ही मिलान नहीं हो रहा है। यदि आप अपने नाम का अच्छा फल पाना चाहते हैं तो आपको अपने नाम में परिवर्तन करना लाभप्रद रहेगा। आप ऐसे नाम का चुनाव कीजिये जोकि आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से ही मिलान करे तथा उसका नामांक 7 आता हो और 3 न हो तो ऐसा नाम आपकी रुकी हुई प्रगति के द्वार खोलेगा तथा आप पूर्ण रूपेण सांसारिक सफलताएं अर्जित करेंगे। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 2,4,8 अंक शुभ रहेंगे तथा 9,1,6 अंक अहितकर होंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि

उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटना:-	GANESHA $3+1+5+5+3+5+1=23=5$	GANESH $3+1+5+5+3+5=22=4$
एक अंक :-	RAM $2+1+4=7$	RAMA $2+1+4+1=8$
दो अंक :-	BINDRA $2+1+5+4+2+1=15=6$	BRINDRA $2+2+1+5+4+2+1=17=8$
तीन अंक :-	RAMCHAND $2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$	RAMCHANDRA $2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28=1$
चार अंक :-	KRISHNA $2+2+1+3+5+5+1=19=1$	KRESHNA $2+2+5+3+5+5+1=23=5$
पाँच अंक :-	TEWARI $4+5+6+1+2+1=19=1$	TIWARI $4+1+6+1+2+1=15=6$
छः अंक :-	AGGARWAL $1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$	AGARWAL $1+3+1+2+6+1+3=17=8$



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

नेपच्यून (केतु) 21 जून से 25 जुलाई तक पाश्चात्य मत से, सूर्य कर्क राशि में रहता है तथा 16 जुलाई से 16 अगस्त तक, भारतीय मत से सूर्य कर्क राशि में रहता है। इस समय जल तत्व की वृद्धि होती है। अतः उपयुक्त समय मूलांक सात के लिए कोई भी नया कार्य या महत्वपूर्ण कार्य करने हेतु अधिक उपयुक्त रहता है।

अनुकूल दिवस

रविवार एवं सोमवार के दिवस में कोई भी महत्वपूर्ण कार्य, अपने किसी अधिकारी से मिलना, पत्र व्यवहार आदि के कार्य प्रारंभ करना आपके लिए अनुकूल हैं। आप अपना कोई भी कार्य इन्हीं दिवसों में प्रारंभ करें।

शुभ तारीखें

किसी भी अंग्रेजी माह के दिनांक 2, 6, 7, 11, 15, 16, 20, 24, 25 एवं 29 आपके लिए विशेष महत्वपूर्ण होंगे। इन तारीखों में आप कोई भी नया कार्य, रोजगार-व्यापार, पत्र लेखन या उच्च अथवा विशिष्ट अधिकारी से मिलने का कार्य संपन्न करेंगे तो वह अधिक सुविधाजनक एवं फलदायक रहेगा।

अशुभ तारीखें

आपके लिए अंग्रेजी माह की 1, 9, 10, 18, 19, 27 एवं 28 तारीखें प्रतिकूल हैं। इन तारीखों में रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य, पत्र व्यवहार या कोई भी महत्वपूर्ण कार्य प्रारंभ करना आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। अतः आप इन तिथियों के दुष्प्रभाव से बचें।

मित्रता या साझेदारी

आप अपनी मित्रता ऐसे व्यक्तियों से रखें जिनका जन्म 2, 6, 7, 11, 15, 16, 20, 24, 25 एवं 29 तारीखों को अथवा 16 जुलाई से 16 अगस्त के मध्य हुआ हो। ऐसे व्यक्तियों से आपकी मित्रता घनिष्ठ रहेगी तथा वे रोजगार, साझेदारी के क्षेत्र में सहायक सिद्ध होंगे। ऐसे व्यक्ति आपके लिए विश्वसनीय रहेंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

यदि आपको प्रेम अथवा विवाह संबंधी संबंध स्थापित करना है तो आपके लिए ऐसी महिलाएं शुभ रहेंगी जिनका मूलांक 2, 6, 7 हो तथा जिनका जन्म किसी भी माह की 2, 6, 7, 11, 15, 16, 20, 24, 25 एवं 29 तारीखों में हुआ हो। ऐसी महिलाएं आपके लिए विशेष फलदायी रहेंगी।

अनुकूल रंग

आपके मूलांक को देखते हुए आपके लिए हरा काफूरी, सफेद, हल्का तिल रंग शुभ फलदायक होंगे। इसलिए आप वस्त्रों के चयन के समय इन रंगों का ध्यान रखें। ये रंग आपके रोजगार-व्यवसाय तथा स्वास्थ्य के लिए भी अनुकूल रहेंगे। इन्हीं रंगों के तकिये, चादर आदि आपके लिए ठीक रहेंगे। आप इन रंगों का रुमाल अपने पास रखें, जो आपके स्वास्थ्य तथा आपके लिए मंगलमय रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपको ऐसा भवन जिसका मूलांक या नामांक 7 हो तथा वह नैऋत्य कोण दिशा में स्थित हो शुभ रहेगा। यदि आप मकान बनवाते हैं या खरीदने के इच्छुक हैं तो आपके लिए नैऋत्य कोण दिशा उपयुक्त रहेगी तथा आप अपने सभी आवश्यक कार्य इसी दिशा की ओर करें। अपने घर का फर्नीचर काफूरी सफेद, हल्के नीले रंग का खरीदेंगे तो पूर्ण फलदायी रहेगा।

शुभ वाहन नं

आप यदि स्वयं का वाहन आदि खरीदने के इच्छुक हैं तो उसके पंजीकरण के लिए आपके अपने मूलांक तथा मूलांक के मित्र अंक से मेल स्थापित करने वाले अंक ही अच्छे रहेंगे। आपका मूलांक 7 है, तब आपके लिए शुभ अंक 2, 6, 7 हो तो अच्छा रहेगा, जैसे पंजीकरण क्रमांक 5236 = 7 इत्यादि। यात्रा के वाहन, सीट क्रमांक के अंक भी यही होंगे तो आपकी यात्रा सफल रहेगी। यदि आप होटल में कमरा बुक करते हैं तब नंबर 106 = 7 आदि अंकों का चयन ही करें। यही आपके लिए हितकर रहेगा।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आती है तब आपको पेट दर्द, छूत के रोग, पसीने की अधिकता तथा दुर्गंध, आमाशय दोष, कब्जियत, नींद न आना, भूख न लगना, गुप्तांग संबंधित रोग, वात तथा गठिया इत्यादि रोग होते हैं। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट और विपत्ति के समय आपको नृसिंह भगवान की पूजा एवं उपासना करनी चाहिए।

व्यवसाय

तैराकी, अभिनय, फिल्म व्यवसाय, वायु सेवा, पर्यटन, ड्राइवर का कार्य, बाबूगिरी, जल जहाज के कार्य, पत्रकारिता, संपादन कार्य, खबर, टायर, ट्यूब, प्लास्टिक वर्क, ललित कला संबंधी कार्य, राज्याधिकारी, जासूसी, तरल पदार्थों का क्रय-विक्रय, जादू के कार्य, कूटनीतिक कार्य, नियंत्रक, भूमिगत पदार्थों का व्यवसाय एवं ट्रांसमीटर, रेडियो, अनुवादक आदि के कार्य।

व्रतोपवास

शनिवार को नेपच्यून अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। शनिवार को काले, नीले वस्त्र धारण कर, इक्कावन या उन्नीस शनिवारों को व्रत करें। शरीर में तेल मालिश, तेल दान तथा पीपल के वृक्ष की पूजा करें। शनि मंत्र का यथाशक्ति रुद्राक्ष माला पर जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

आपके लिए लहसुनिया प्रमुख रत्न है। इसके न मिलने पर आप पीला हकीक भी धारण कर सकते हैं। इसे आप शुक्ल पक्ष में शनिवार के दिन, चौघड़िया मुहूर्त में, चांदी की अंगूठी में तीन से पांच रत्ती के लगभग, दाहिने हाथ की कनिष्ठा उंगली में त्वचा को स्पर्श करते हुए धारण करें।

अनुकूल देवता

आप केतु ग्रह की उपासना करें अथवा नृसिंह भगवान की आराधना करें। नृसिंह भगवान के मंत्र 'ओम् ह्रीं उग्रं वीरं महा विष्णुं ज्वलंतं सर्वतोमुखं नृसिंह भीषणं भद्र मृत्यु मृत्युं नमाम्यहं ह्रीं' का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा पूर्णिमा के दिन सत्यनारायण कथा का श्रवण करेंगे तो आप विभिन्न रोंगों तथा समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो नृसिंह भगवान के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए केतु के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु, केतु गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

केतु गायत्री मंत्र - ॐ पद्मपुत्राय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तन्नो केतुः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप केतु का ध्यान करें, मन में केतु की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम् ।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ केतु को अनुकूल बनाने हेतु केतु के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सौ सत्तर माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ सां सीं सौं सः केतवे नमः ॥ जप संख्या 17000 ॥

वनस्पति धारण

आप बुधवार के दिन एक इंच लंबी असंगंध की जड़ ला कर आसमानी धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधें या चांदी के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे नेपच्यून/केतु के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपको प्रत्येक बुधवार को एक बाल्टी या बर्तन में सहदेई, लज्जालु (लोबान), बला, मोथा, प्रियंगु और हिंगोठ आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ केतु/नेपच्यून के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आप कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध को मिला कर चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

केतु की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को केतु के पदार्थ कस्तूरी, तिल, छाग, काला वस्त्र, ध्वजा, सप्तधान्य, कंबल, उड़द, वैदुर्य मणि, काले पुष्प, तेल, सुवर्ण, लोहा, शस्त्र आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

केतु को अनुकूल बनाए रखने हेतु केतु यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, शनिवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

